Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Inaugural Session- 7 Day National Virtual Workshop on Ethical Conduct of Research

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14.10.2021**

शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के पतन पर जताई चिंता

हकेंविवि में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़। शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्व पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक द्वारा बुधवार को सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरुआत की गई। उद्घाटन सत्र को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण, मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस विषय पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की उपलब्धता समय की मांग है। समाज उपयोगी शोध व अनुसंधान हेतु आवश्यक है कि उसे प्रमाणिकता के साथ पूर्ण किया जाए और इस कार्य में इस तरह की कार्यशाला का योगदान शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है।

यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई वायुनंदन ने इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस साझेदारी से शोध, अनुसंधान के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु समाज, उद्योगोन्मुख अनुसंधान पर जोर दिया।

स्वागत भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के शिक्षा पीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षक व शोधार्थियों की भूमिका, नैतिक मूल्य, प्लेग्रिजम व ऑनलाइन टूल्स पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14.10.2021**

शोध के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण है नैतिक आचरण

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्त्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से बुधवार को सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उद्घाटन भाषण

यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने प्रस्तुत किया। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण व मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस विषय पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की उपलब्धता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अनुचित व्यवहार का पोषण करने वाले विभिन्न माध्यमों से शोधार्थियों व शिक्षकों को आकर्षित करते हैं और शोध व अनुसंधान के मूल उद्देश्यों को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समाज उपयोगी शोध व अनुसंधान हेतु आवश्यक है कि उसे प्रमाणिकता के साथ पूर्ण किया जाए और इस कार्य में इस तरह की कार्यशाला का योगदान शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है। इस अवसर पर अपने संबोधन में यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस साझेदारी से शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के विकास में मदद मिलेगी। प्रो. वायुनंदन ने कहा कि शोधार्थी अज्ञानवश इन मूल्यों का अनुसरण नहीं कर पाते हैं। शोध में नैतिक आचरण विषय पर केंद्रित इस सात दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत में स्वागत भाषण यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के शिक्षा पीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-10-2021**

शोध के क्षेत्र में नैतिक आचरण बहुत महत्वपूर्ण

हकेंवि में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के साथ मिलकर सात दिवसीय कार्यशाला का हो रहा है आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ और यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से बुधवार को सात दिवसीय आनलाइन कार्यशाला की शुरुआत हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उद्घाटन भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने प्रस्तुत किया। हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण और मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस विषय पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की उपलब्धता समय की मांग है।

इस क्षेत्र में अनुचित व्यवहार का पोषण करने वाले विभिन्न माध्यमों से शोधार्थियों और शिक्षकों को आकर्षित करते हैं। उपयोगी शोध और अनुसंधान के लिए आवश्यक है कि उसे प्रमाणिकता के साथ पूर्ण किया जाए। इस कार्य में इस तरह की कार्यशाला का योगदान शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है। यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस साझेदारी से शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलेगी। उन्होंने विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु समाज और उद्योगोन्मुख अनुसंधान पर जोर दिया।

हकेंवि में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाईं ओर ऊपर वाले बाक्स में)● सहयोग हकेंवि

प्रो. वायुनंदन ने कहा कि शोधार्थी अज्ञानवश इन मूल्यों का अनुसरण नहीं कर पाते हैं। अवश्य ही ऐसे युवाओं को इस आयोजन के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त होंगी। शोध में नैतिक आचरण विषय पर केंद्रित इस सात दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत में स्वागत भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के शिक्षा पीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा हकेंवि में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता और कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षक व शोधार्थियों की भूमिका, नैतिक मूल्य, प्लेगिजम व आनलाइन टूल्स पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से दोनों विवि के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन हकेंवि की शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डा. रेनु यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डा. प्रमोद ने प्रस्तुत किया और कहा कि इस कार्यशाला के आयोजन में दोनों की विवि की ओर से गठित आयोजन समिति के सदस्यों ने विशेष योगदान दिया है। सात दिनों तक चलने वाली इस आनलाइन कार्यशाला में देशभर से 150 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं।

महेंद्रगढ़ में पर्यटन संग रोजगार की अनंत संभावनाएं

संस, महेंद्रगढ़: योग के साथ ट्रैकिंग और एडवेंचर बहुत अच्छा और सही संयोग है। क्योंकि एडवेंचर में आपको त्वरित निर्णय लेने होते हैं। निर्णय शांत मन से किए जाते हैं। शांत मन योग अभ्यास का परिणाम है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने बुधवार को योग ट्रैकिंग एवं एडवेंचर क्लब की ओर से आयोजित वेबिनार में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ प्राचीन जिला है। बहुत सी ऐतिहासिक इमारतें और तीर्थ स्थल भी जिले में हैं। साथ ही अरावली की पहाड़ियों में ट्रैकिंग आदि का विकास कर इस क्षेत्र में पर्यटन में रोजगार को और बढ़ाया जा सकता है। भारतीय यात्रा और पर्यटन प्रबंधन संस्थान, नोएडा की सहायक आचार्य डा. चारूशीला यादव वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। मुख्य वक्ता डा. चारूशीला यादव ने भारत में एडवेंचर टूरिज्म की संभावनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। क्लब के कन्वीनर डा. अजयपाल ने बताया कि क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ प्रकृति की सुंदरता एवं उसके रहस्यों से रूबरू कराना है। विद्यार्थियों को प्राकृतिक और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के लिए क्लब लगातार प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के तारतम्य में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिलकर उनको ज्ञापन सौंपा। वह ज्ञापन विगत दिनों शिक्षा मंत्री द्वारा दिए गए वक्तव्य से संबंधित है जिसमें विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति के लिए पीएचडी की अनिवार्यता से छूट देते हुए इसकी अवधि को एक वर्ष तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है। जाहिर है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए मानकों के रख-रखाव संबंधी) अधिनियम, 2018 के अनुसार विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती के लिए एक जुलाई, 2021 से पीएचडी उपाधि अनिवार्य कर दी गई थी। जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शिक्षा मंत्रालय के निर्देश के आलोक में एक जुलाई 2022 तक विस्तारित करने संबंधी अधिसूचना को जारी कर दिया है। अब इस अवधि विस्तार का लाभ गैर-पीएचडी धारकों को भी प्राप्त हो सकेगा। बुधवार को शैक्षिक संघ की हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इकाई ने कुलपति को ज्ञापन दिया कि वर्तमान में विवि द्वारा विज्ञापित पदों में भी इस छूट को शामिल किया जाए, जिससे कि गैर-पीएचडी आवेदकों को यह लाभ मिल सके। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना को विवि द्वारा लागू किए जाने बाबत आश्वस्त किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कुलपति के सकारात्मक प्रयास के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर (दाए) को ज्ञापन सौंपते विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ के सदस्य● साभार संघ

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-10-2021**

शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है नैतिक आचरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्त्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व यशवंत राव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से बुधवार को सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस मौके पर उद्घाटन भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई वायुनंदन ने प्रस्तुत किया।

महेंद्रगढ़। हकेवि में कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण व मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस विषय पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की उपलब्धता समय की मांग है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-10-2021**

शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है नैतिक आचरण

हकेंवि में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के साथ मिलकर 7 दिवसीय कार्यशाला का हो रहा है आयोजन

महेंद्रगढ़, 13 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ व यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के सांझा प्रयासों से बुधवार को 7 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उद्घाटन भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने प्रस्तुत किया। हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण व मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस विषय पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की उपलब्धता समय की मांग है।

हकेंवि में आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अनुचित व्यवहार का पोषण करने वाले विभिन्न माध्यमों से शोधार्थियों व शिक्षकों को आकर्षित करते हैं और शोध व अनुसंधान के मूल उद्देश्यों को नुक्सान पहुंचाते हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समाज उपयोगी शोध व अनुसंधान हेतु आवश्यक है कि उसे प्रमाणिकता के साथ पूर्ण किया जाए और इस कार्य में इस तरह की कार्यशाला का योगदान शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है। इस अवसर पर अपने संबोधन में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस सांझेदारी से शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु समाज व उद्योगोन्मुख अनुसंधान पर जोर दिया।

कार्यशाला की रूपरेखा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षक व शोधार्थियों की भूमिका, नैतिक मूल्य, प्लेग्रिजम व ऑनलाइन टूल्स पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से दोनों विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। 7 दिनों तक चलने वाली इस ऑनलाइन कार्यशाला में देशभर से 150 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 14-10-2021**

शोध के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण है नैतिक आचरण

महेन्द्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) :शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्त्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से बुधवार को सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उद्घाटन भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने प्रस्तुत किया। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण व मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस विषय पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की उपलब्धता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अनुचित व्यवहार का पोषण करने वाले विभिन्न माध्यमों से शोधार्थियों व शिक्षकों को आकर्षित करते हैं और शोध व अनुसंधान के मूल उद्देश्यों को नुकसान पहुँचाते हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समाज उपयोगी शोध व अनुसंधान हेतु आवश्यक है कि उसे प्रमाणिकता के साथ पूर्ण किया जाए और इस कार्य में इस तरह की कार्यशाला का योगदान शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 14-10-2021**

शोध के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण नैतिक आचरण शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त

हकेवि में यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के साथ मिलकर सात दिवसीय कार्यशाला

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्त्व को केंद्र में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के साझा प्रयासों से बुधवार को सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। उद्घाटन भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई. वायुनंदन ने प्रस्तुत किया। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण व मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त की। प्रो. कुमार ने कहा कि समाज उपयोगी शोध व अनुसंधान हेतु आवश्यक है कि उसे प्रमाणिकता के साथ पूर्ण किया जाए और इस कार्य में इस तरह की कार्यशाला का योगदान शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है।

नैतिक मूल्य पर केंद्रित

हकेवि में शोध में नैतिक आचरण विषय पर केंद्रित इस सात दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत में स्वागत भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षक व शोधार्थियों की भूमिका, नैतिक मूल्य, प्लेग्रिजम व ऑनलाइन टूल्स पर केंद्रित विभिन्न सत्र किया जाएगा।

सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव ने कार्यशाला का संचालन किया

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से दोनों विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन हकेवि की शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. प्रमोद यादव ने प्रस्तुत किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने विशेष योगदान दिया है।